Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 1

www.himwats.org

रजिस्ट्रेशन नं.: 758/1997-98

सावित्री

वर्ष: 2024 अंक: 17

स्मारिका

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति
ग्राम: डड़ा (चम्पावत), उत्तराखंड

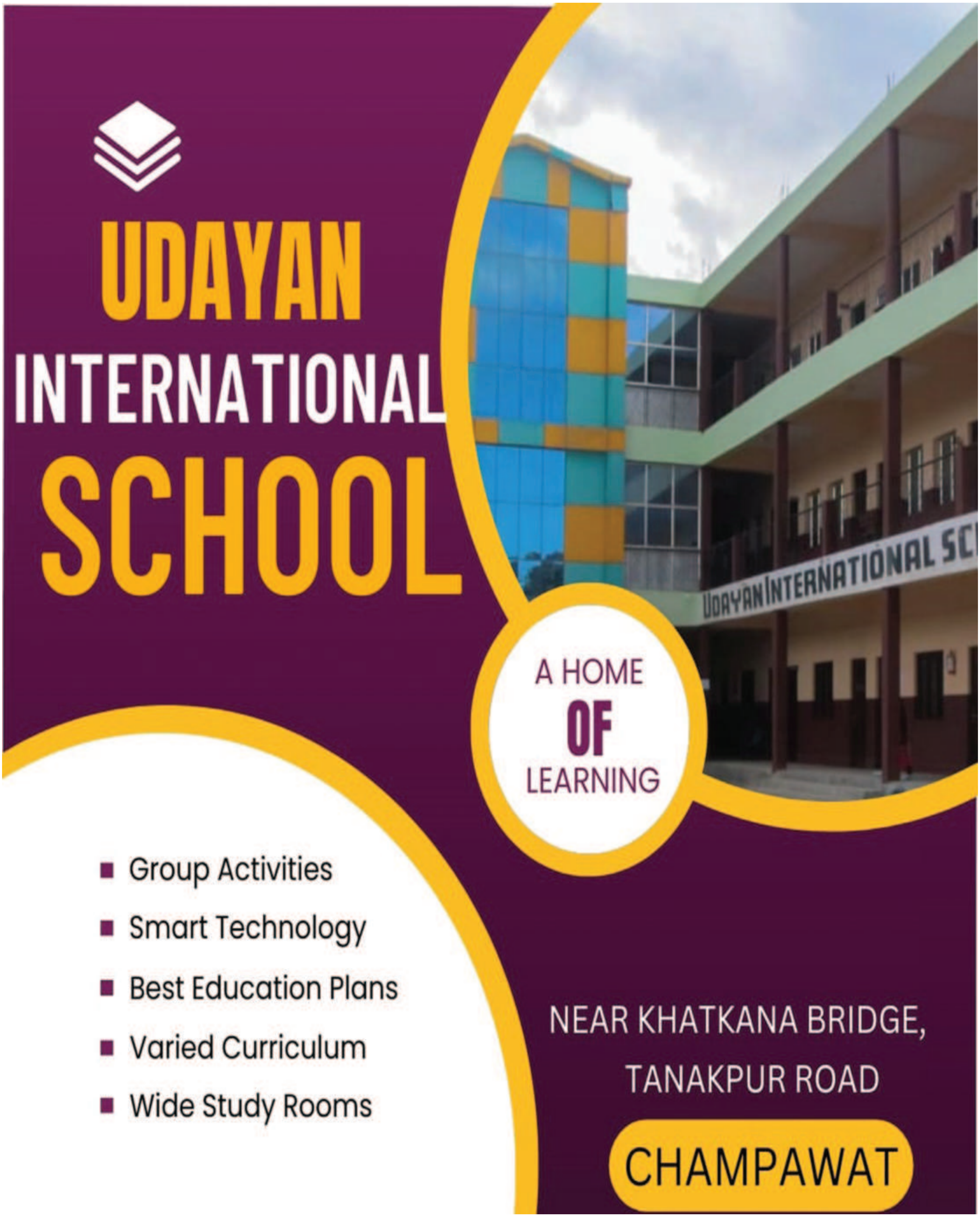
UDAYAN
INTERNATIONAL
SCHOOL
UDAYAN INTERNATIONAL SC
A HOME
OF
LEARNING
Group Activities
Smart Technology
Best Education Plans
Varied Curriculum
Wide Study Rooms
NEAR KHATKANA BRIDGE,
TANAKPUR ROAD
CHAMPAWAT

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति
ग्राम : डड़ा (चम्पावत)

ईमेल : himwatschampawatoffice@gmail.com
वेबसाइड : www.himwats.org

समिति संस्थापक : श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट
एमरेटस सचिव : प्रो . एच .डी . बिष्ट

सम्पादक मण्डल
श्री आशुतोष उपाध्याय
श्री चन्द्रमोहन जोशी
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी
डॉ . भुवन चन्द्र जोशी

वित्त प्रबंधन
डॉ . जी .बी . बिष्ट
श्री के .एस . मेहरा
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी

कार्यक्रम प्रबंधन
श्री चन्द्रमोहन जोशी
डॉ . बी .सी . जोशी

संकलन
प्रकाश पुनेठा
सपना भण्डारी

प्रारूप
गौरव बोहरा
पंकज बोहरा

स्मारिका डिजायन
शशि मोहन रावत

आवरण चित्र : साविद्या द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के चित्र

साविद्या स्मारिका-2024

वर्ष : 2024 अंक : 17

अनुक्रम

1 सम्पादकीय
2 सन्देश
3 हिमवत्स समिति
4 हिमवत्स के बारे में
5 हिमवत्स छात्रवृत्तियाँ
6 अकादमिक क्रियाकलाप
- अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेले
- जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पूर्वाभ्यास
- राज्य विज्ञान कांग्रेस एवं प्रौद्योगिकी सम्मलेन 2024
- गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम
- शिक्षक प्रशिक्षण
- समर कैंप 2024
- अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशाला 2024
- ● कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम
- अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2024
- तीन दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में हिस्सेदारी
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024

7 गैर-अकादमिक क्रियाकलाप
- साविद्या स्मारिका विमोचन कार्यक्रम
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024
- विश्व ग्लूकोमा सप्ताह
- पृथ्वी दिवस 2024
- विश्व योग दिवस 2024
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2024
- विश्व तंबाकू निषेष दिवस 2024
- 39वां नेत्रदान पखवाड़ा
- विविध गतिविधियां

8 विज्ञान आलेख: निकोल टेस्ला की अनोखी दास्तान

संपादकीय

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति (हिमवत्स) पेयजल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता एवं शिक्षा के विकास एवं संवर्धन हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रही है। मनुष्य का विकास शिक्षा के माध्यम से ही सम्भव है, जिसके लिए शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है।

इस स्मारिका 2024 के माध्यम से हिमवत्स संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों को प्रस्तुत किया जा रहा है। इस संस्था के कर्मठ लोगों ने अपने लक्ष्यप्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प के साथ समाजहित में कार्य किया है।

व्यक्ति और समाज के विकास से ही राष्ट्र विकसित होता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति का यह संकल्प होना चाहिए कि उसका हर प्रयास और कार्य राष्ट्र के विकास के लिए हो। मानव उन्नति की कोई सीमा नहीं होती क्योकि मनुष्य की कल्पनाशीलता, बौद्धिक क्षमता तथा जिज्ञासा असीमित है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी किसी भी समाज या परिवेश में हो सकता है। इन प्रतिभाओं को निखारने तथा उनके सपनों की उड़ान को साकार करने की दिशा में हिमवत्स का अकिंचन प्रयास है।

हमारा हिमालय तथा हिमालयी परिवेश सदा से संवेदनशील रहा है। आपदाओं ने इस क्षेत्र में त्रासदी पैदा की है। जीवन-यापन की परिस्थितियां भी अनुकुल नहीं रही है, अतः यहाँ से पलायन अनवरत गतिमान है।

उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थियों के अनुरूप यहाँ की शैक्षिक एवं अन्य योजनाओं को बनाया जाना आवश्यक है, जिससे शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपने परिवेश से लगाव महसूस करें तथा यहाँ के नीति नियामक बन सकें।

शिक्षित एवं स्वस्थ्य समाज के निर्माण की दिशा में हिमवत्स संस्था द्वारा किया जाने वाला एक समर्पित प्रयास है।

संपादक मण्डल

शुभकामना संदेश

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखण्ड राज्य

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम डड़ा, चम्पावत (उत्तराखण्ड) द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी **"साविद्या स्मारिका 2024"** के **17वें** अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। समिति द्वारा सरकारी विद्यालयों के गरीब व समाज में पिछडे. छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विज्ञान के प्रति अभिरुचि पैदा करने के साथ-साथ कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय की सुविधा एवं महाविद्यालयी छात्र-छात्राओं को गर्ल्स इण्टर्नशिप के माध्यम से "अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेलों" का प्रशिक्षण देकर राजकीय इण्टर कालेजों में विज्ञान मेलों का आयोजन कर बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। समिति द्वारा 2023-2024 में किये गये कार्यकलापों एवं सामाजिक हित में किये गये प्रयासों को एक स्मारिका के रूप में प्रकाशित किया जाना निःसंदेह प्रशंसनीय है। मुझे यह भी आशा है कि समिति भविष्य में भी गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले छात्र-छात्राओं के सर्वागीण विकास के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार के साथ-साथ छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति अभिरुचि जागृत हो सके।

मेरी ओर से हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम डड़ा, चम्पावत (उत्तराखण्ड) द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी "साविद्या स्मारिका 2024" के 17वें अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(पुष्कर सिंह धामी)

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 6

शुभकामना संदेश

श्री नवनीत पाण्डेय
जिलाधिकारी
चम्पावत (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड राज्य

सन्देश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम- डड़ा चम्पावत (हिमवत्स) द्वारा जनपद- चम्पावत (उत्तराखण्ड) में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी **"साविद्या स्मारिका 2024"** के **17वें** अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। संस्था प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को गोद लेकर उनमें छात्रों के शैक्षिक उन्नयन एवं विकास हेतु डिजिटल तकनीकी, विज्ञान प्रयोगशाला एवं टैबलेट के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। समिति सरकारी विद्यालयों के गरीब व समाज में पिछड़े वर्गों के छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता के साथ विज्ञान के प्रति अभिरुचि पैदा करने हेतु वर्ष 2015 से इण्टरनैट/ टैबलेट, प्रोजेक्टर, कंप्युटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए गर्ल्स इण्टर्नशिप तथा स्कूली बच्चों के साथ अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

वर्ष 2020-21 में चंपावत में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना में भी संस्था का विशेष योगदान रहा है। आशा करता हूं कि भविष्य में भी संस्था एवं इससे जुड़े सभी सदस्यों का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान मिलता रहेगा।

मैं संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित

(नवनीत पाण्डेय)

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति चम्पावत

ईमेलः himwatschampawatoffice@gmail.com (चम्पावत), himwats.office@gmail.com (हल्द्वानी)
वेबसाइडः www.himwats.org

संस्थापक/एमेरटस सचिव	:	प्रो. एच.डी. बिष्ट	ई.मेलः haribist@yahoo.com	मो.नं.: 8941032868
अध्यक्ष	:	डॉ. के.के. पाण्डे	ई.मेलः pandekk@gmail.com	मो.नं.: 9411107268
सचिव	:	डॉ. जी.बी. बिष्ट	ई.मेलः gbbisht@yahoo.co.uk	मो.नं.: 9412963619
उपाध्यक्ष	:	श्री सी.एम. जोशी	ई.मेलः cmjoshi9@gmail.com	मो.नं.: 9412107133
कोषाध्यक्ष	:	श्री के.एस. मेहरा	ई.मेलः mehrantb@yahoo.com	मो.नं.: 7830599937
सदस्य	:	प्रो. पी.बी. बिष्ट	ई.मेलः bisht@iitm.ac.in	मो.नं.: 9444771994
सदस्य	:	डॉ. भुवन चन्द्र जोशी	ई.मेलः drbcjoshi@gmail.com	मो.नं.: 9411116112
सदस्य	:	श्री राजेन्द्र गहतोड़ी	ई.मेलः rgahtori1974@gmail.com	मो.नं.: 9411546795
सदस्य	:	श्री गणेश पन्त	ई.मेलः gpant@yahoo.com	मो.नं.: 8279678799

1. सोसाइटी रजि. एक्ट. क्र. 758/1997-98 नवीनीकृत 1222006068/दिनांक 10/11/2027 तक
2. विदेशी सहायता नियम अधिनियम के तहत पंजीकरण क्र. 347890007 दि. 23/01/2008
   नवीनीकरण तिथि 12/05/2022 नवीनीकृत दिनांक 30-06-2027 तक
3. दर्पण नीति आयोग यूनीक आई. डी. - **UA@2016@0108076**
4. **F2023/ Dated 01-11-2023 from AY 2024-25 to AY 2026-27**
5. 12 एए के तहत आदेश- **AAAJH0221LF20085 Date 02/10/2021 from AY 2022-23 to 2026_2027**
6. सी.एस.आर. रजि. नं.: **CSR00021627/02-02-2022 (SRN-T75708404)**
7. पैन रजि.- **PAN No. AAAJH0221L**

समिति के बैंक खाता ब्यौरा

Bank	SBI Champawat	SBI HLD(savidya)	SBI HLD (FCRA)	SBI Delhi (FCRA)
A/C Name	Himalaya Water Service Tatha Vikas Evam Paryavaran Sanraksha	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit
A/C no.	10831017754	11178424017	11178424028	40106631927
CIF No.	80668886220	80957510520	80957510520	
IFSC	SBIN0001249	SBIN0000646	SBIN0000646	SBIN0000691
MICR	262002010	263002014	263002014	
SWTFT				SBININBB104
Ph. no.	05965 - 230024	05946 - 220128	05946 - 220128	011-23374390/4392/4143
Email	Sbi.01249@sbi.co.in	Sbi.00646@sbi.co.in	Sbi.00646@sbi.co.in	Fcra.00691@sbi.co.in

हिमवत्स के बारे में

एकाधिक कारणों से मध्य हिमालयी बसासतें पिछले कुछ दशकों से पानी के संकट का सामना कर रही हैं। तेजी से बढ़ते नगरीकरण ने पानी की खपत में अभूतपूर्व वृद्धि की है। चम्पावत भी इससे अछूता नहीं है। खास तौर पर गर्मी के मौसम में पानी का संकट विकराल रूप धारण कर लेता है। इस समस्या के निवारण के लिए डड़ा (चम्पावत) के और वर्तमान में अमेरिकावासी श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट की प्रेरणा से 1997 में हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति (हिमवत्स) की स्थापना की गयी। इसके अलावा संस्था ने स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण, संग्रहीत पेयजल की स्वच्छता, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के सवंर्धन तथा साधनविहीन बच्चों को शैक्षिक सहायता जैसे कार्यक्रमों के संचालन का बीड़ा उठाया।

वर्ष 2004-05 में संस्था के संरक्षक एवं आईआईटी कानपुर के भौतिकविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष प्रो. एच.डी. बिष्ट ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा में सहयोग हेतु 'साविद्या' उपसमिति की स्थापना की। साथ ही उन्होंने हल्द्वानी स्थित अपने आवास में संस्था के मुख्य शाखा कार्यालय का निर्माण किया। वर्ष 2012 में संस्था के कार्यक्षेत्र का अखिल भारतीय स्तर पर विस्तार देने हेतु पंजीकरण किया गया। परिणामस्वरूप हिमवत्स संस्था चम्पावत जनपद के अन्यत्र भी सेवाएं देने हेतु निरंतर प्रयासरत रहती है।

वर्ष 2005-06 में राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुलेठी को अंगीकृत करने के उपरान्त संस्था आज सात प्राइमरी, दो जूनियर हाईस्कूल, दो राजकीय इंटर कॉलेज (दुबाचौड़ा व चम्पावत) सहित कुल 11 विद्यालयों में नियमित रूप से सहयोग प्रदान कर रही है। संस्था के प्रयासों से इन विद्यालयों में शिक्षण सक्रियता बढ़ी है, विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में गुणात्मक प्रगति, पठन-पाठन में रुचि, स्वास्थ्य रक्षा के प्रति चेतना में वृद्धि हुई है।

एक कक्षा-एक शिक्षक की अवधारणा पर बल देते हुए हिमवत्स ने समय-समय पर अंगीकृत विद्यालयों में 'स्वयं पढ़ो और पढ़ाओ' के सिद्धांत पर स्थानीय स्वयंसेवी शिक्षक नियुक्त किये। इन विद्यालयों में टेबलेट, वीडियो, इंटरनेट आदि की व्यवस्था के साथ-साथ खेलकूद सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। केन्द्रीय स्तर पर कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्राथमिक विद्यालय कुलेठी परिसर में सामुदायिक डिजिटल शिक्षा और विज्ञान संसाधन केंद्र का भवन निर्माण किया। केन्द्र में प्रख्यात भौतिकविद पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा के सहयोग से बनी विज्ञान प्रयोगशाला के अलावा चक्रीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर केंद्र, सिलाई प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की गई। क्षेत्र के लोगों एवं विद्यार्थियों को हर प्रकार की वैज्ञानिक गतिविधियों से अवगत कराने के लिए प्रति वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, पृथ्वी दिवस एवं पर्यावरण दिवस आदि का आयोजन किया जाता है।

वर्ष 2021 से संस्था ने विज्ञान शिक्षा को बोधगम्य एवं लोकप्रिय बनाने हेतु विशेष अभियान की शुरुआत की। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के अकादमिक सहयोग से हिमवत्स द्वारा आयोजित की जाने वाली अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाएं विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच अभूतपूर्व लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। परिणामस्वरूप जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की ओर से संस्था को नियमित रूप से आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि जिले के विज्ञान शिक्षकों को अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षण की नवाचारी पद्धति में प्रशिक्षित किया जा सके।

हाल ही में राजकीय जूनियर हाईस्कूल कुलेठी में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना से संस्था की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। सामान्यतः अटल टिंकरिंग लैब इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालयों में ही स्थापित की जाती है लेकिन संस्था के संरक्षक प्रो. एच.डी. बिष्ट के अथक प्रयासों से यह जूनियर हाईस्कूल स्तर में स्थापित की जा सकी है, जिससे अब

हिमवत्स समिति

छात्र/छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं।

संस्था द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों में सहयोग दिया जा रहा है। इनमें प्रमुख हैंः 21वीं सदी के लिए अनिवार्य ई-साक्षरता, योग एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण जागरूकता, बच्चों को जवाहर/राजीव नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एवं अन्य छात्रवृत्ति परीक्षाओं तथा बाल विज्ञान कांग्रेस आदि के लिए प्रशिक्षित करना। संस्था के स्वयंसेवकों द्वारा कक्षावार, विषयवार व पाठ्यक्रमानुसार नवीन तकनीक यथा- इंटरनेट, प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से शिक्षण कार्य किया जाता है तथा ज्ञानवर्धक डिजिटल कंटेंट, प्रोजेक्टर आदि से शिक्षण कार्य की गुणवत्ता को बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुस्तकालय में ज्ञानोपयोगी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बंधित पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी है।

संस्था के नवीनतम कार्यक्रमों में विज्ञान में स्नातक कर रही स्थानीय छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन के लिए चलाया जा रहा गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम उल्लेखनीय है। साथ ही अन्य संस्थाओं के साथ साझेदारी हेतु एलायंस फॉर साइंस प्रोग्राम, दूरस्थ विज्ञान गतिविधियों के लिए साइंस आउटरीच प्रोग्राम आदि कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

साविद्या उपसमिति

हिमवत्स समिति का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षा एवं अन्य कौशल आधारित व्यावसायिक क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद देना है। साविद्या उपसमिति का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद की जाय ताकि उन्हें भविष्य में सरकार द्वारा संचालित जवाहर/नवोदय विद्यालयों में प्रवेश मिल सके। इस उद्देश्य के लिए संस्था लगातार प्रयास कर रही है। बच्चों में प्रतियोगिताओं के प्रति जागरूकता, खेलकूद में रुचि तथा सामाजिक कार्यों में सहभागिता की समझ पैदा करना भी साविद्या का उद्देश्य है।

हिमवत्स का योगदान

हिमवत्स की साविद्या उपसमिति शिक्षा तथा सामाजिक जागृति के क्षेत्र में सतत प्रयासरत है। वर्तमान में आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक ही अपने पाल्यों को राजकीय विद्यालयों में अध्ययन हेतु भेज रहे हैं। यह एक कटु सत्य है। महंगे तथा अंग्रेजी माध्यम से संचालित होने वाले तथा कथित पब्लिक स्कूलों में बच्चों को भेजना स्टेटस सिम्बल बन गया है।

ऐसी स्थिति में राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रतिभावन छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु साविद्या समिति शैक्षिक एवं भौतिक सामग्री प्रदान कर क्षेत्रीय जनता को सम्बल प्रदान कर रही है। छात्रवृत्ति, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी, अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षण, क्रीड़ा, क्विज, विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर छात्र-छात्राएं प्रतिस्पर्धा में स्थान प्राप्तकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। राज्य तथा केन्द्र सरकार के विविध योजनाओं का भी प्रत्यक्षतः लाभ दिलाने में हिमवत्स संस्था का सराहनीय योगदान रहा है।

डॉ. एच.डी. बिष्ट जी द्वारा चम्पावत में हिमवत्स का कार्यक्षेत्र बनाये जाने हेतु यहाँ की जनता उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करती है।

— डॉ. भुवन चन्द्र जोशी
जी.आई.सी. रोड चम्पावत, उत्तराखण्ड

हिमवत्स समिति

संस्था के कार्यकारिणी सदस्य

नाम	पद	पता	फोन नम्बर
प्रो. के.के. पाण्डे	अध्यक्ष	5-609, मल्ला गोरखपुर, हल्द्वानी	9411107268
श्री सी.एम. जोशी	उपाध्यक्ष	चंद्रमौली, गायत्री कुञ्ज, रेशम बाग, गैस गोदाम रोड, हल्द्वानी	9412107133
डा. जी.बी. बिष्ट	सचिव	शुभम करोति, दुर्गा कालोनी, हल्द्वानी	9412963619
श्री के.एस. मेहरा	कोषाध्यक्ष	5-265, मल्ला गोरखपुर, तिकोनिया, हल्द्वानी	7830599937
प्रो. प्रेम बी. बिष्ट	सदस्य	आई.आई.टी. मद्रास	9444771994
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी	सदस्य	पिथौरागढ़ रोड, चम्पावत	9411546795
श्री बी.सी. जोशी	सदस्य	ग्राम-पैती, पो. फुंगर, चम्पावत	9411116112

वर्ष 2023-24 के दानदाता

संस्थागतः

आ.ई.का. (यू.एस.ए.)

कॉर्पस फन्ड में व्यक्तिगतः

दानदाता	राशि	दानदाता	राशि	दानदाता	राशि
डॉ. जी.बी.बिष्ट	1,00,000	निर्मला बिष्ट	50,000	दिनेश चंद्र पाण्डे	30000
प्रो. इन्दु पाठक	50,000	सी.एम.जोशी	10,000	डॉ.पी.सी.गुरुरानी (Sr. Radiologist)	15000
कैलाश पाण्डे	2000	डॉ. ए.बी.मवार	50,000	सुशील बिष्ट	15000
डॉ. बीनू जैन	11000	डॉ. एस.एस. भारद्वाज (Sr. Pathologist)	11000	डॉ.वाई.पी.सिंह (Sr. Dental Surgeon)	10000
डॉ. मीना भट्ट (Sr. gynecologist)	20,000	हरिप्रिया पाण्डेय मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रो. के.के. पाण्डेय	20,000		

श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट नियमित दानदाता 1,00,000

परियोजना वित्त पोषण यूकॉस्ट देहरादून स्वीकृत धनराशिः 1,25,000

विशेषः 1. डॉ. मीना भट्ट, वरिष्ट स्त्रीरोग विशेषज्ञ हल्द्वानी द्वारा एम.बी.बी.एस प्रथम वर्ष छात्रा किया पुनेरा को रु 15,000 छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया गया।

2. श्री विक्रम तोरनपुरी द्वारा **Hoap Health Intelligent Solution PR, Hyderabad**, द्वारा रा.इ.का. नारायणनगर कुसुमखेड़ा हल्द्वानी के कक्षा 6 से 8 के 150 छात्रों के बैठने हेतु रु 2,50,000 के 24 सेट बैंच एवं टेबल उपलब्ध कराये गये।

स्मारिका हेतु विज्ञापन

हरीश चंद्र खर्कवाल - 2000	राजेन्द्र गहतोड़ी - 1000	प्रकाश तिवारी - 1000
उदयन स्कूल - 10,000	आम्रपाली इंस्टीट्यूट 11,000	

कुल धनराशि - 6,44,000

उक्त प्राप्त धनराशि बैंक में सावधि खाते (छात्रवृत्ति कोष) में जमा की गयी है। जिसके ब्याज से अर्जित धनराशि से सरकारी विद्यालयों के गरीब एवं मेधावी छात्रों को पूर्व की भांति छात्रवृत्तियां बांटी जायेगी।

हिमवत्स छात्रवृत्तियां

हिमवत्स संस्था वर्ष 2004 से विभिन्न दानदाताओं द्वारा दी गई धनराशि से प्राप्त ब्याज से निरंतर छात्रवृत्तियां दे रही है। अभी तक संस्था द्वारा 1489 विद्यार्थियों को रु0 2,269,500 धनराशी की छात्रवृत्तियां बांटी गयी है।

विद्यालयों का नामः

1. कु.ए.स.वि. चम्पावत	2. रा.उ.मा.वि. खर्ककार्की	3. जनता पूर्व मा.वि. मुडियानी
4. रा.इ.का. चम्पावत	5. रा.प्रा.वि. कुलेठी	6. रा.उ.प्रा.वि. कुलेठी
7. रा.उ.प्रा.वि. मंच	8. रा.उ.प्रा.वि. नरसिंहडांडा	9. रा.बा.इ.का. लोहाघाट
10. रा.बा.इ.का. चम्पावत	11. रा.इ.का. चौड़ाकोट	12. रा.इ.का. अमोड़ी चम्पावत
13. रा.उ.प्रा.वि. डुंगरासेठी	14. रा.इ.का. पुलहिण्डोला	15. रा.इ.का. गूँठ गरसाडी
16. रा.इ.का. सिप्टी	17. रा.बा.इ.का. बनबसा चम्पावत	18. रा.इ.का. टनकपुर
19. रा.इ.का. बापरू चम्पावत	20. जनता पूर्व मा.वि. मुड़ियानी	21. रा.इ.का. दुबचौड़ा चम्पावत
22. रा.उ.प्रा.वि. पल्सों चम्पावत	23. रा.इ.का. पदमपुरी नैनीताल	24. रा.बा.इ.का. दौलिया नैनीताल
25. रा.इ.का. खुरियाखत्ता नैनीताल	26. रा.इ.का. ज्योलिकोट नैनीताल	27. सनवाल स्कूल नैनीताल
28. रा.इ.का. पवलगढ़ नैनीताल	29. रा.इ.का. नारायणनगर हल्द्वानी	30. रा.इ.का. ढोलीगांव
31. रा.बा.इ.का. कालाढूगी हल्द्ववानी	32. रा.इ.का. सिमलखा	33. रा.उ.मा.वि. मिदनापुर
34. रा.इ.का. पैटना नैनीताल	35. रा.बा.इ.का. भटेलिया	36. किसान इ. कॉलेज पीरूमदारा
37. रा.बा.इ.का. धौलाखेडा हल्द्ववानी	38. रा.क.उ.मा.वि. बमौरी हल्द्ववानी	39. रा.बा.इ.का. बनभुलपुरा
40. रा.इ.का. भूलीगांव पिथौरागढ़	41. रा.इ.का. छड़नदेव पिथौरागढ़	42.रा.आ.इ.का. कनालीछीना पिथौरागढ़
43. रा.इ.का. जुम्मा पिथौरागढ़	44. रा.इ.का. नारायणनगर	45. रा.इ.का. क्वीतड़
46. रा.इ.का. भूमियाधार नैनीताल	47. रा.इ.का. लालकुआं	48. रा.इ.का. मोतीनगर नैनीताल
49. रा.उ.मा.वि. सानदेव	50. रा.बा.इ.का. भीमताल	51. रा.इ.का. मंगोली नैनीताल
52. रा.बा.इ.का. नैनीताल		

स्थाई छात्रवृतियां

1. **गिरिबाला पन्त छात्रवृत्ति (आर.सी. पन्त द्वारा अपनी पत्नी की स्मृति में):** इस वर्ष 41 छात्रों को रु.77,000 की धनराशि इस छात्रवृत्ति के तहत वितरित की गयी।
2. **साविद्या छात्रवृत्तिः** बिष्ट परिवार, सम्बंधी एवं उनके मित्रगणों द्वाराः इस वर्ष 63 छात्रों को रु.1,15,000 की धनराशि इस छात्रवृत्ति के तहत वितरित की गयी।
3. **आ.इ.का. संगीता बिष्ट शंकर** द्वारा 11 छात्रों को रु. 24,500 की धनराशि इस छात्रवृत्ति के तहत वितरित की गयी।

हिमवत्स समिति

4. वर्तमान अस्थाई छात्रवृत्तियां: बसंती पाण्डे छात्रवृत्ति पौत्र के0के0पाण्डेय द्वारा 5 छात्राओं को रु.7500 की छात्रवृत्ति बांटी गयी।

5. वर्तमान अस्थाई छात्रवृत्तियां: हरिप्रिया पाण्डे/के.के. पाण्डेय द्वारा 5 छात्राओं को रु. 12,500 की छात्रवृत्ति बांटी गयी।

6. अन्य छात्रवृत्तियां:

क्र.	विद्यालय का नाम	छात्र का नाम	कक्षा	छात्रवृत्ति का नाम	दानदाता
1	कु.ए.स.वि. चम्पावत	अरविन्द जोशी	12	पूर्णानन्द जोशी	प्रो. एच.डी. बिष्ट
2	रा.इ.का. चम्पावत	सचिन शर्मा	11	मुरलीधर शास्त्री	माया त्रिपाठी
3	रा.इ.का. चम्पावत	विपिन जोशी	11	पदमावती त्रिपाठी	माया त्रिपाठी
4	रा.इ.का. चम्पावत	दीपांशु रसवाल	12	ए.के. जोशी/प्रेमा जोशी	मीनाक्षी /अपर्णा पन्त
5	रा.इ.का. चम्पावत	अनुश्री जोशी	12	जतिन कुमार	माया त्रिपाठी
6	रा.प्रा.वि. कुलेठी	नीलम कुमारी, भाविका	5, 4	प्रो. एच.डी. बिष्ट	प्रो. एच.डी. बिष्ट
7	रा.उ.प्रा.वि. कुलेठी	हर्षिता मेहरा	8	नारायण दत्त जोशी	प्रो. एच.डी. बिष्ट
8	रा.उ.प्रा.वि. कुलेठी	सार्थक पाण्डेय	7	दुर्गा त्रिपाठी	कमला त्रिपाठी
9	रा.बा.इ.का. चम्पावत	अंजली कुंवर	9	प्रेमा जोशी/मीनाक्षी जोशी	मीनाक्षी /अपर्णा पन्त
10	रा.बा.इ.का. चम्पावत	राखी भण्डारी	9	कमला जोशी	माया त्रिपाठी
11	रा.बा.इ.का. चम्पावत	कल्पना राणा	12	दुर्गादत्त पाण्डेय	कैलाश पाण्डेय
12	रा.इ.का. गूँठ गरसाडी	कविता कलखुडिया	12	चिदानन्द पाण्डेय	दिनेश चन्द्र पाण्डेय
13	रा.उ.प्रा.वि. पल्सों	वन्दना जोशी, निकिता जोशी	9,10	कान्ति जैन	बीनू जैन
14	रा.इ.का. पदमपुरी	रितिक बिष्ट	11	शांति देवी मवार	डॉ. ए.बी. मवार
15	रा.बा.इ.का. कालाढूंगी	पायल बिष्ट, वन्दना जोशी	9, 9	श्रीमती बसन्ती पन्त	प्रो. के.के. पाण्डेय
16	रा.बा.इ.का. कालाढूंगी	आशा मौर्य, दिया जोशी	10, 10	सुमेधा कुमारी	डॉ. मधुबाला
17	रा.बा.इ.का. कालाढूंगी	भूमिका रावत, पूजा करायत, रेनु पाल, निकिता जोशी, नीमा मेलकानी	11, 11, 12, 12, 12	श्रीमती हरिप्रिया पाण्डेय	प्रो. के.के. पाण्डेय
18	रा.बा.इ.का. धौलाखेड़ा	मानसी खोलिया	9	श्रीमती बसन्ती पन्त	प्रो. के.के. पाण्डेय
19	रा.क.उ.मा.वि. बमौरी	प्राची कश्यप	9	श्रीमती बसन्ती पन्त	प्रो. के.के. पाण्डेय
20	रा.बा.इ.का. बनभूलपुरा	आयशा	9	श्रीमती बसन्ती पन्त	प्रो. के.के. पाण्डेय
21	रा.उ.मा.वि. सानदेव	तनुजा कन्याल, दीक्षा खोलिया	10, 10	पदमावती यामनी	निर्मला बिष्ट

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 13

अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेले

हिमवत्स संस्था की ओर से पिछले वर्ष प्रथम चरण (जनवरी 2023 से मार्च 2023) के अनुभव आधरित बाल विज्ञान मेलों के सफल आयोजन के उपरान्त अक्टूबर 2023 से दिसम्बर 2023 के बीच विभिन्न विद्यालयों में द्वितीय चरण के बाल विज्ञान मेलों का आयोजन किया गया। इन बाल विज्ञान मेलों के अंतर्गत अपर प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थी एक कार्यशाला के माध्यम से उनके विज्ञान पाठ्यक्रम से सम्बंधित 30 विभिन्न प्रकरणों के वर्किंग मॉडल बनाते हैं। तदुपरांत उनके द्वारा इन मॉडलों को एक भव्य विज्ञान मेले में प्रदर्शित किया जाता है। विज्ञान के प्रति छात्र-छात्राओं में रुचि जागृत करने में इन विज्ञान मेलों का बड़ा महत्व है।

दूसरे चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त प्रथम अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेला दिनांक 30 अक्टूबर 2023 से 2 नंवबर 2023 तक राजकीय बालिका इण्टर कालेज लोहाघाट-चम्पावत में आयोजित किया गया। इस विज्ञान मेले में छठी, सातवीं व आठवीं कक्षा की 40 छात्राओं ने 6 समूहों में प्रथम दो दिन 30 वर्किंग मॉडल बनाए। कार्यशाला के अंतिम व तीसरे दिन विद्यालय के प्रांगण में आयोजित एक भव्य विज्ञान मेले में उन्होंने स्वनिर्मित मॉडलों का प्रदर्शित किया।

बाल विज्ञान मेले को विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने देखा तथा जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में चम्पावत जनपद के 6 अन्य विद्यालयों में भी तीन दिवसीय अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेलों का आयोजन किया गया।

6 विद्यालयों में हुए अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाओं के नामों का उल्लेखनः

क्र. स.	विद्यालय का नाम	दिनांक	ब्लाक	आच्छादित क्षेत्र	बाल विज्ञान मित्र	विद्यालय के लाभान्वित छात्र	अन्य विद्यालयों के लाभान्वित छात्र	कुल
1	रा0बा0इ0का0 लोहाघाट-चम्पावत	30 अक्टूबर 2023 से 02 नंवबर	लोहाघाट	08	41	212	46	258
2	रा0इ0का0 दयारतोली-चम्पावत	04,05,09 नंवबर	चम्पावत	05	44	108	-	108
3	रा0इ0का0 धौन-चम्पावत	30 नंवबर से 02 दिसंबर	चम्पावत	04	40	165	41	201
4	रा0उ0मा0वि0 फुँगर- चम्पावत	07 से 09 दिसंबर	चम्पावत	06	41	120	-	120
5	रा0इ0का0 चम्पावत	1 से 13 दिसंबर	चम्पावत	08	45	250	53	303
6	रा0इ0का0 कर्णकरायत लोहाघाट-चम्पावत	18 से 20 दिसंबर	लोहाघाट	06	46	195	58	253
कुल लाभान्वित								**1,243**

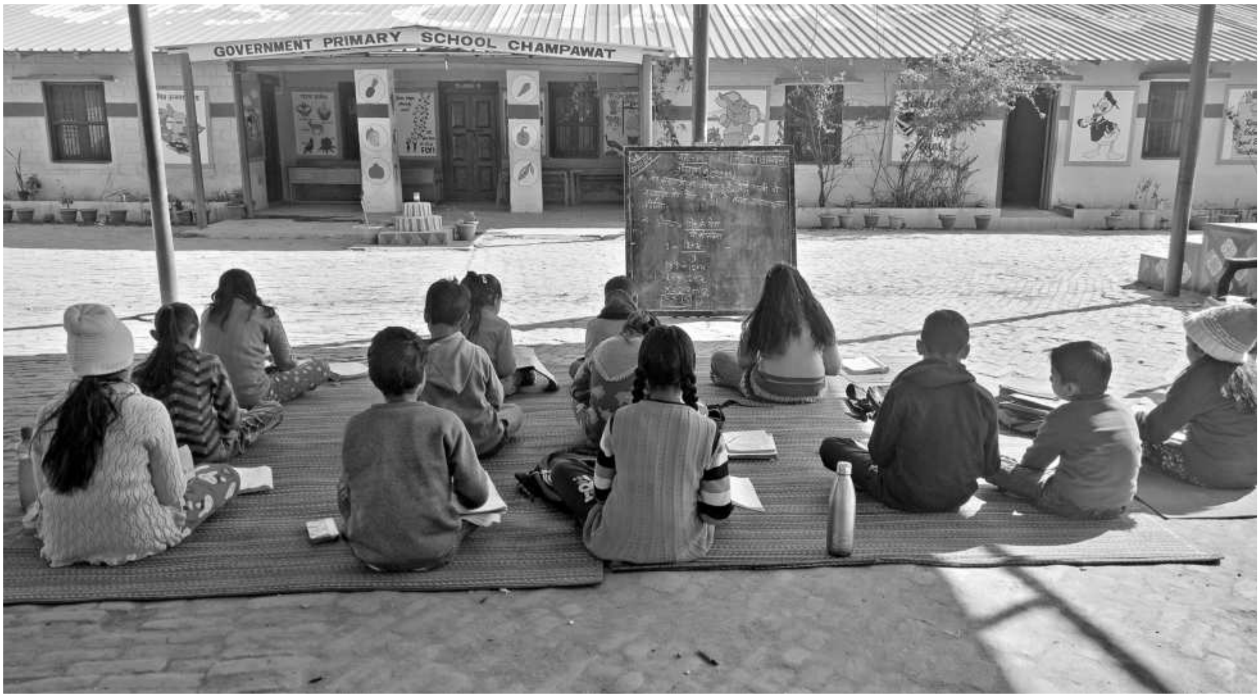

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का पूर्वाभ्यास

हिमवत्स संस्था द्वारा शीतकालीन अवकाश में राजकीय प्राथमिक विद्यालय चंपावत में कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं को नवोदय प्रवेश परीक्षा हेतु तैयारी कराई गई। तैयारी की कक्षाओं में राजकीय प्राथमिक विद्यालय चम्पावत तथा अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। संस्था द्वारा बच्चों को नवोदय प्रवेश परीक्षा संबंधित दिशा निर्देश, परीक्षा के पैटर्न तथा OMR शीट को भरना सिखाया गया। गणित में बच्चों को बताया गया कि संख्याओं, भिन्नों का प्रतिशत आदि प्रश्नों को किस प्रकार हल किया जाता है। पैटर्न पर आधारित प्रश्न सीरीज भी करवायी गयी। साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं। उन्हें बताया गया कि कम समय में प्रश्नों को हल करने का सरल तरीका क्या है। उन्हें एक ही प्रकार के 10-20 प्रश्न रोज हल करने को दिए गए, जो छात्र-छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण सुझाव हैं।

मानसिक योग्यता के अंतर्गत बच्चों को दर्पण, प्रतिबिम्ब, आकृति समस्या, भिन्न आकृतियों से सम्बन्धित प्रश्नों को हल करने का तरीका सिखाया गया। उन्हें वर्गीकरण, भिन्न आकृति, समान आकृति, लुप्त भाग का चयन आदि विविध प्रकार की आकृतियों के बारे में सरल रूप में समझाया और प्रतिदिन 50 से 100 आकृति प्रश्न हल कराये गये। हिन्दी में उन्हें समास, पर्यायवाची शब्द और विलोम शब्दों की जानकारी दी और उन्हें प्रतिदिन रिवीजन करने को कहा। हिन्दी विषय में प्रश्न को हल करना और गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के जवाब देना भी सिखाया।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 15

राज्य विज्ञान कांग्रेस एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2024

दिनांक 8 से 9 फरवरी 2024 को हिमवत्स संस्था ने उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) देहरादून द्वारा आयोजित 18वीं उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2024 में प्रतिभाग किया। यह आयोजन ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस के रूप में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में आयोजित की गई थी।

उक्त दो दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में हिमवत्स की ओर से विज्ञान प्रर्दशनी लगायी गयी, जिसमें संस्था की ओर से तीन स्वयंसेवकों- प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, सपना भण्डारी ने हिस्सा लिया। विज्ञान प्रदर्शनी में हिमवत्स के स्टॉल में 20 विज्ञान मॉडलों को प्रदर्शित किया गया था। मॉडलों के सिद्धान्त व कार्यविधि को संस्था के स्वयंसेवक दर्शकों को समझा रहे थे। ये मॉडल प्रकाश के गुण, वस्तुओं का संतुलन, मानव कंकाल, मानव शरीर, चुंबकत्व, दृष्टि भ्रम, आदि अवधारणाओं से संबंधित थे।

आयोजन के मुख्य अतिथि तथा यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त ने हिमवत्स के स्टाल में आकर प्रदर्शित मॉडलों को देखा। इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी तथा संस्था अध्यक्ष डॉ. के.के. पाण्डे, सचिव डा. जी.बी. बिष्ट, संस्था सहयोगी श्री हेम जोशी, श्री सी.एम. जोशी एवं अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अकादमिक क्रियाकलाप

गर्ल्स इन्टर्नशिप प्रोग्राम

एम.बी.पी.जी. कॉलेज हल्द्वानी के साथ साझेदारी

हिमवत्स के गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम का दूसरा चरण इस वर्ष हल्द्वानी में आयोजित किया गया। उत्तराखण्ड के सबसे बडे. महाविद्यालय - एम.बी.पी.जी. कॉलेज हल्द्वानी के गणित एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग की साझेदारी में अप्रैल 2024 में इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी की 12 स्नातक एवं भौतिक विज्ञान की 2 परास्नातक छात्राओं को अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाओं के प्रशिक्षण के लिए चुना गया। गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम के दूसरे चरण का वित्तपोषण कुमाऊं विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से जुड़ी प्रो. इंदु पाठक ने किया।

चयन प्रक्रिया एवं प्रशिक्षणः

हल्द्वानी में गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम की शुरूआत एम.बी.पी.जी. कॉलेज में गणित के यशस्वी प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र सिजवाली के उत्साहवर्धक सहयोग से हुई। कार्यक्रम के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग को तैयार किया और इस विभाग की स्नातक कक्षाओं की छात्राओं ने इंटर्नशिप में दिलचस्पी दिखाई। सबसे पहले छात्राओं के साथ एक ओरिएंटेशन सेशन किया गया ताकि उन्हें कार्यक्रम के बारे में बताया जा सके। प्रशिक्षण सत्र में 14 छात्राओं ने प्रतिभाग किया और उनके प्रदर्शन एवं उत्साह को देखते हुए सभी को इंटर्नशिप के लिए चुन लिया गया। छात्राओं को दो-दो के समूह में बाँटा गया और इस तरह 7 समूह तैयार हुए जिन्हें स्कूलों अथवा समुदाय में बच्चों के साथ अनुभव आधारित विज्ञान कार्यशालाओं का संचालन करना था। सभी समूहों को कार्यशाला संचालन में लगने वाला किट उपलब्ध कराया गया, जिसमें आवश्यक उपकरण व साम्रगी दी गई थी। सभी समूहों को निर्देश दिए गए कि उन्हें अपनी कार्यशालाओं का लक्ष्य मई के अंत तक पूरा कर लेना हैं। इस बार इंटर्नशिप प्रोग्राम में प्रशिक्षण के विषय थे - मानव शरीर, एस्ट्रोनॉमी (हमारा सौरमण्डल)।

प्रशिक्षित छात्राओं के सभी सात समूहों द्वारा हल्द्वानी, रुद्रपुर व सितारगंज क्षेत्र के अलग-अलग विद्यालयों व समुदायों में कुल 72 कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। छः समूहों ने निर्धारित दस कार्यशालाएं और एक समूह ने 12 कार्यशालाओं का आयोजन किया। प्रत्येक कार्यशाला के लिए उन्हें प्रति छात्रा 500 रुपये मानदेय तथा इंटर्नशिप प्रमाण पत्र दिए गए। इंटर्नशिप के लक्ष्य पूर्ण करने के उपरांत सभी छात्राओं के उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी। विज्ञान के किसी विषय को एक कार्यशाला के माध्यम से आयोजित करने और बच्चों को अनुभव से सिखाने की तरकीब सिखाने की प्रक्रिया में उन्हें खुद की कमजोरियों और उन्हें दुरुस्त करने का मौका मिला।

पाल कालेज आफ टैक्नोलोजी एवं मैनेजमैंट हल्द्वानी के साथ साझेदारी

हल्द्वानी में गर्ल्स इन्टर्नशिप प्रोग्राम की दूसरी पहल पाल कालेज आफ टैक्नोलोजी एवं मैनेजमेंट में बी.एड. व बायोटेक स्नातक के छात्र-छात्राओं के साथ की गयी। प्रोग्राम के तहत आयोजित कार्यशाला में बी.एड. तथा बी.एससी. बायोटेक के 100 छात्र- छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भी विषय पूर्ववत थे- मानव शरीर एवं एस्ट्रोनॉमी (हमारा सौरमण्डल)।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन बाल विज्ञान खोजशाला समिति बेरीनाग के संस्थापक श्री आशुतोष उपाध्याय ने प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के श्री गौरव बोहरा और हिमवत्स स्वयंसेवक श्री पंकज बोहरा की मदद से किया। प्रशिक्षित प्रतिभागियों ने इन कार्यशालाओं को स्कूलों व समुदायों में बच्चों के साथ आयोजित करने के संकल्प लिया। पाल कॉलेज के बी.एड. प्रशिक्षुओं ने अपनी इंटर्नशिप के दौरान उक्त कार्यशालाएं अपने विद्यालयों में कीं। सम्बंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने इन कार्यशालाओं की सराहना की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहयोग हेतु B.Ed विभाग प्राचार्य डा0 किरन सती, Bio-tech विभाग के H.O.D. M.B.P.G.college haldwani प्राचार्य डा0 एन0एस बनकोटी, डा0 एन0एस0 सिजवाली, प्रो0 इंदु पाठक, डा0 प्रेम प्रकाश आदि का हार्दिक आभार।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 18

शिक्षक प्रशिक्षण

डायट जिला सन्दर्भ समूह प्रशिक्षण कार्यशाला

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) लोहाघाट के आमंत्रण पर 9-10-11 अक्टूबर 2024 को विज्ञान शिक्षकों के जिला सन्दर्भ समूह के साथ तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में चम्पावत जिले के 30 विज्ञान शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। बाल विज्ञान खोजशाला समिति के रिसोर्स पर्सन गौरव बोहरा तथा हिमवत्स स्वयंसेवक पंकज बोहरा ने कार्यशाला प्रशिक्षक के रूप में भूमिका निभाई।

कार्यशाला के पहले दिन खगोल विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षकों को 6 समूहों ने विषय से संबंधित वर्किंग मॉडल बनाने का प्रशिक्षण लिया। प्रतिभागियों ने सौरमंडल के ग्रह, झूलती पृथ्वी, सूर्य, पृथ्वी चंद्रमा व राशियों के तारामंडल आदि मॉडल तैयार किए और समूह में उनका प्रस्तुतीकरण भी किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन का विषय प्रकृति की खोजः पेड-पौधों की दुनिया विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने फूलों का विच्छेदन, बीज, फलों में बीज विन्यास, वाष्पोत्सर्जन, खाद्य पिरामिड आदि मॉडल बनाए तथा उनका अभिलेखीकरण भी किया गया। कार्यशाला के अन्तिम दिन सभी छः समूहों ने अपने-अपने मॉडलों का प्रस्तुतीकरण किया तथा प्रत्येक मॉडल पर समूह चर्चा की।

कार्यशाला के समापन पर डायट प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को तीन दिवसीय विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला का प्रमाण पत्र दिया। डायट प्राचार्य डॉ. आशुतोष वर्मा एवं विज्ञान प्रभारी डॉ. अनिल मिश्रा जी ने कार्यशाला के प्रशिक्षण में सहयोग के लिए संस्था का आभार प्रकट किया गया तथा संस्था के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किये।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 19

समर कैंप 2024

हिमवत्स संस्था की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कुलेठी तथा डड़ा और आस-पास के बच्चों के बीच समर कैम्प के लिए संपर्क किया गया। 25 जून 2024 से CDLASRC कुलेठी में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। कैम्प में राजकीय प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय कुलेठी के छात्र-छात्राओं तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र के अन्य विद्यालयों के कुल 30 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

समर कैंप के पहले दिन संस्था के स्वयंसेवकों ने प्रतिभागी बच्चों के लिए मानव शरीर पर विज्ञान कार्यशाला कराई गई। बच्चों ने मानव शरीर के प्रमुख आंतरिक अंगों पर आधारित का मॉडल बनाया और अपने-अपने ग्रुप के साथ इसका प्रस्तुतीकरण किया गया। कैंप के दूसरे दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पर आधारित एक प्रेरणादायक फिल्म दिखाई गई। इसके अलावा माइंड बूस्टर गतिविधि भी आयोजित की गई। समर कैंप के अंतिम दिन छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर क्लास तथा अन्य खेल गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। संस्था द्वारा आयोजित समर कैम्प में राजकीय प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय कुलेठी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ रा.इ.का. चम्पावत, मल्लिकार्जुन स्कूल, न्यू बिरशिबा स्कूल, एशियन एकेडमी, सरस्वती शिशु मंदिर आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशाला 2024

मानव शरीर (HUMAN BODY)

हिमवत्स के साइंस आउटरीच प्रोग्राम के तहत चंपावत के विभिन्न विद्यालयों में अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इस अभियान में मानव शरीर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना, उन्हें वैज्ञानिक विधि से परिचय करना और यह बोध कराना है कि ज्ञानार्थी को अपने लिए ज्ञान का सृजन स्वयं करना पड़ता है। सामान्यतः स्कूली विज्ञान शिक्षा पुस्तक या शिक्षक की बातों का रट्टा मारने तक सीमित है। इस परिपाटी में विज्ञान की समझ भाषा के अमूर्त दायरे से आगे नहीं बढ़ पाती और बच्चे वास्तविक अनुभवों के समृद्ध संसार से वंचित रहते हैं। बाल विज्ञान कार्यशालाओं का मकसद स्कूली शिक्षा के इस अधूरेपन को पूरा करना भी है। इन कार्यशालाओं में बच्चे विज्ञान सम्बंधी बुनियादी अवधारणाओं को प्रत्यक्ष अनुभव करने और उन्हें समझने का प्रयास करते हैं।

मानव शरीर कार्यशाला: इस कार्यशाला का उद्देश्य मानव शरीर के प्रमुख आतंरिक अंगों के बारे में समझ पैदा करना है। इसके अंतर्गत बच्चे गत्ते से मानव शरीर और उसके मुख्य अंदरूनी अगों को बनाते और उन्हें जोड़ते हैं। इस कार्यशाला से उन्हें शरीर के प्रमुख आतंरित अगों की पहचान, उनके सही स्थान, नाम, आकार, विन्यास और उनके कार्यों का अंदाज हो जाता है। कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को सामग्री की उपलब्धता के अनुसार चार या पांच के समूहों में बांटा जाता है। कार्यशाला में बच्चों को समूह में कार्य करने का अनुभव भी मिला। गत्ते को डिजाइन के अनुसार ट्रेस करना, काटना, रंग करना और अंत में जोडकर मॉडल तैयार करना उनके लिए खेल जैसी आनंददायी क्रिया थी। मॉडल बन जाने के बाद बच्चों को समूह चर्चा के लिए 15 मिनट का समय दिया गया। अंत में सभी समूहों द्वारा बारी-बारी से आगे आकर अपने-अपने मॉडल के बारे में प्रस्तुतीकरण किया जाता है।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 21

झलकियां

नर्सिंग कॉलेज चम्पावत में 39वा नेत्रदान पखवाड़ा

डायट लोहाघाट में विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

विश्व ओजोन दिवस 2024

झलकियां

जीआईसी धौन में मेले का विहंगम दृश्य

पाल कालेज, हल्द्वानी में बी0 एड प्रशिक्षुओं के साथ विज्ञान कार्यशाला

विश्व पर्यावरण दिवस 2024

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 23

जी0आई0सी0 नारायण नगर कुसुमखेडा हल्द्वानी में वृक्षारोपण

जी0आई0सी0 नारायण नगर कुसुमखेड़ा हल्द्वानी में फर्नीचर वितरण

गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम

हरेला सप्ताह के लिए बीज बॉल की तैयारी

झलकियां

शिक्षक सम्मान
समारोह 2024

राज्य विज्ञान कांग्रेस एवं
प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2024

अंतर्राष्ट्रीय महिला
दिवस 2024

प्रथम कार्यशालाः उदयन इंटरनेशनल स्कूल चम्पावत

संस्था द्वारा साइंस आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत मानव शरीर कार्यशाला का आयोजन उदयन इंटरनेशनल स्कूल चम्पावत में आठवीं कक्षा के कुल 51 छात्र-छात्राओं के साथ किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने मानव शरीर के आन्तरिक अंगों का मॉडल बनाया गया। सभी समूहों ने मानव अंगों की कार्य प्रणाली को समझाया गया। इस कार्यशाला में स्कूल की प्रधानाचार्या तथा संस्था के स्वयंसेवी शिक्षक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा व सपना भण्डारी उपस्थित थे।

द्वितीय कार्यशालाः राजकीय नर्सिंग कॉलेज चम्पावत

साइंस आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत दूसरी अनुभव आधरित बाल विज्ञान कार्यशाला (मानव शरीर) का आयोजन राजकीय नर्सिंग कॉलेज चम्पावत में बी.एससी. नर्सिंग (द्वितीय सेमेस्टर) के छात्र-छात्राओं के साथ की गयी। प्रतिभागियों ने मानव शरीर के प्रमुख आन्तरिक अंगों का मॉडल बनाया गया। सभी ग्रुपों ने मानव शरीर के प्रमुख अंगों की कार्य प्रणाली को समझाया। कार्यशाला में नर्सिंग कॉलेज की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती रुपाली वर्मा, ज्योति गोढियाल, हरिकान्त शर्मा, पूर्णिमा कुँवर तथा संस्था के कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज सेवी श्री राजेन्द्र गहतोड़ी, संस्था स्वयंसेवी शिक्षक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा एवं सपना भण्डारी उपस्थित रहे।

कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम

हिमवत्स संचालित केन्द्र कुलेठी में उपलब्ध 4 कम्प्यूटर तथा 2 लैपटॉपों के माध्यम से पहली से पांचवीं कक्षा तक के छात्र-छात्रा लाभान्वित होते आ रहे है। यहां बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित समय पर बुलाया जाता है। बच्चे मनोयोग से कम्प्यूटर के उपयोग सीखते हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश में आस-पास के विद्यालयों व समुदायों के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जाता है।

कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी, जैसे- कम्प्यूटर का वर्तमान समय में प्रयोग तथा कम्प्यूटर खोलना तथा बन्द करना, इनपुट तथा आउटपुट डिवाइसों का परिचय, एमएस ऑफिस के अन्तर्गत एमएस वर्ड में हिन्दी तथा अंग्रेजी टाइपिंग, कट, कॉपी, पेस्ट, टेबल बनाना आदि सिखाया गया।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 27

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024

महान वैज्ञानिक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के सम्मान में बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी 28 फरवरी 2024 को संस्था द्वारा राजकीय प्राथमिक, जूनियर विद्यालय एवं विज्ञान केन्द्र कुलेठी कैम्पस में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से जूनियर स्तर के 7 राजकीय विद्यालयों- रा.बा.इ.का. चम्पावत, रा.उ.मा.वि. फुंगर, कु.ए.स.वि. चम्पावत, ज.उ.मा.वि. मुडियानी, रा.उ.प्रा.वि. कुलेठी, खर्ककार्की व डुंगरासेठी के बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डा. बी.सी. जोशी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विज्ञान जिला समन्वयक श्री नवीन चन्द्र पन्त थे। कार्यक्रम का संचालन हिमवत्स कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र गहतोड़ी जी ने किया। जूनियर विद्यालय कुलेठी के प्रधानाध्यापक श्री रुद्र सिंह बोहरा ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागी बच्चों का स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. बी.सी. जोशी एवं श्री नवीन चन्द्र पन्त ने बच्चों को डॉ. सी. वी. रमन के प्रेरणादायी कार्यों से अवगत कराया। श्री गहतोड़ी ने संस्था के संस्थापक प्रो. एच.डी. बिष्ट द्वारा क्षेत्र के बच्चों के सर्वागीण विकास हेतु किए गए कार्यों की सराहनीय की। जूनियर स्तर के 7 विद्यालयों के बच्चों की सामान्य ज्ञान, निबन्ध प्रतियोंगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में राहुल सिंह बोहरा (मुडियानी) प्रथम,

अकादमिक क्रियाकलाप

नीरज सिंह (डुंगरासेठी) द्वितीय, तथा गुंजन पाण्डेय (फुंगर) तृतीय स्थान पर रहे। निबन्ध प्रतियोगिता में हेमा शर्मा (खर्ककार्की) प्रथम, गर्व गिरी (मुडियानी) द्वितीय और मोनिका बिष्ट (रा.बा.इ.का चम्पावत) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर संस्था के स्वयंसेवकों ने उनके द्वारा किए जाने वाले विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में इस कार्यक्रम में जूनियर हाईस्कूल कुलेठी के प्रधानाध्यापक श्री रुद्र सिंह बोहरा, प्राथमिक विद्यालय कुलेठी के श्री नवीन रस्यारा, स.अ. त्रिभुवन सिराड़ी, श्रीमती कामिनी वर्मा, नरेश जोशी, मुन्नी अधिकारी, सुनील जोशी, हेम प्रकाश जोशी, शोभा जोशी, स्वयंसेवक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, सपना भण्डारी, कविता, सुमन एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे।

साविद्या स्मारिका विमोचन कार्यक्रम

विगत वर्षों की भांति 21 दिसम्बर 2023 को हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति डडा-चम्पावत में हिमवत्स साविद्या स्मारिका के 16वें अंक के विमोचन कार्यक्रम का आयोजन सी.डी.एल.ए.एस.आर.सी. कैम्पस कुलेठी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह लडवाल थे। कार्यक्रम का संचालन हिमवत्स सदस्य श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया तथा अतिथियों का स्वागत संस्था के सचिव डा. जी.बी. बिष्ट एवं कार्यकारिणी सदस्य डा. बी.सी. जोशी ने किया। इस मौके पर हिमवत्स संस्था का कार्यवृत्त भी प्रस्तुत किया।

इस बीच मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री महरवान सिंह बिष्ट तथा कार्यक्रम में आये समस्त गणमान्य व्यक्ति संस्था की गतिविधियों की जानकारी से अवगत हुए। अतिथियों ने संस्था द्वारा संचालित विज्ञान संसाधन केन्द्र का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये विज्ञान मॉडलों को देखा। साथ ही पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर कक्ष का अवलोकन किया। संस्था ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण के साथ ही चम्पावत क्षेत्र के विद्यालयों में विज्ञान चेतना के प्रसार हेतु विद्यालयों में अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाओं का कार्य किया है। संस्था की ओर से क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए मेधावी निर्धन छात्रवृत्ति दी जा रही है। अन्त में श्री गहतोड़ी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 30

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिमवत्स संस्था ने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य संचालिका बहन ज्योति व विशिष्ठ अतिथि नर्सिंग कालेज की प्राचार्या डॉ. रश्मि रावत रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान डड़ा बिष्ट श्री सुन्दर सिंह नेगी और कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया। कार्यक्रम में कुलेठी परिसर के आस-पास के गाँवों की 40 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में महिलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बहन ज्योति ने महिला अधिकार तथा उनकी पहल से विश्व परिवर्तन की बात कही। विशिष्ठ अतिथि डॉ. रश्मि रावत ने महिलाओं को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जूनियर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती कविता वर्मा ने अतिथियों के स्वागत एवं प्रतियोगिताओ के संचालन में अपनी सहभागिता दी। अंत में श्रीमती रश्मि रावत एवं बहन ज्योति ने इस आयोजन के लिए संस्था का विशेष आभार व्यक्त किया।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 31

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह

(10 मार्च से 16 मार्च 2024)

क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता लाने के क्रम में हिमवत्स ने ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 16 मार्च को प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय के छात्र-छात्राओं व अभिभावकों के साथ काला मोतिया दिवस का आयोजन किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री रुद्र सिंह बोहरा ने बच्चों को स्वस्थ्य रहने के साथ-साथ आँख के बारे में जानकारी दी। स्वयंसेवी शिक्षक प्रकाश पुनेठा ने काला मोतिया को अन्धता के प्रमुख कारणों में एक बताया। इस बीमारी में आँख की नसें सूख जाती हैं और रोशनी कब गयी पता ही नहीं चलता। आँखों की नियमित जांच कराने तथा शुरुआत में ही बीमारी का पता चलने पर अन्धता से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक नवीन चन्द्र रस्यारा, प्र.अ. कविता वर्मा, कामनी वर्मा, मुन्नी अधिकारी, नरेश जोशी संस्था के स्वयंसेवी शिक्षक पंकज बोहरा, सपना भण्डारी, प्रियंका आदि उपस्थित थें।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 32

पृथ्वी दिवस 2024

संस्था ने 22 अप्रेल को कुलेठी परिसर में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस मौके पर बच्चों को पृथ्वी दिवस मनाये जाने का कारण बताया गया। बच्चों को पृथ्वी को बचाने वाले कार्यों से अवगत कराया गया, जैसे- ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण, कचरे पर रोकथाम, अपने आस-पास की साफ-सफाई और पानी की बचत आदि। बच्चों ने पृथ्वी को बचाने सम्बंधी पोस्टर बनाए तथा पर्यावरण संरक्षण से वातावरण को साफ और प्रदूषण रहित बनाने का प्रण लिया गया। बच्चों को पृथ्वी को बचाने के उपायों से सम्बंधित फिल्म भी दिखायी गयी। इस कार्यक्रम मे प्रधानाध्यापिका कामनी वर्मा, हीरा गिरी स.अ. नवीन रस्यारा, नरेश जोशी, मुन्नी अधिकारी, कविता वर्मा स्वयं सेवक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, सपना भण्डारी आदि उपस्थित थे।

हरेला सप्ताहः बीज बॉल से हरियाली

इस वर्ष हरेला सप्ताह बीज बॉल बिखेरने के साथ मनाया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने चम्पावत में मिट्टी, खाद, बीज व पानी से बीज बॉल बनाकर बंजर जमीन में बिखेरा। हिमवत्स स्वयंसेवकों ने बच्चों को बीज बॉल तैयार करना सिखाया।

विश्व योग दिवस 2024

हिमवत्स संस्था के सहयोग से कुलेठी विद्यालय परिसर में विश्व योग दिवस (21 जून) का आयोजन किया गया। संस्था के कार्यकारिणी सदस्य तथा योग प्रशिक्षित जिला महामंत्री पतंजली योग समिति श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों एवं आस-पास के ग्रामीणों को योग अभ्यास कराया।

छात्र-छात्राओं ने सर्वप्रथम शरीर को गतिमान बनाने हेतु जोगिंग की। तत्पश्चात कुछ खड़े तथा कुछ बैठकर आसन किये गये, जिनमें ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, दन्डासन, ब्रजासन, वक्रासन, गोमुखासन, शशकासन, भुजंगासन तथा प्रणायाम में अनुलोम विलोम, भस्त्रिका, कपालभाति, भ्रामरी, उदगीत ध्यानयोग के पश्चात् सिंहासन एवं हास्यासन से योग अभ्यास का समापन किया गया।

इस प्रातः कालीन योग सत्र में दोनों विद्यालय के प्रधानाध्यापक- रुद्र सिंह बोहरा, हीरा गिरी स.अ. नवीन चंद्र रस्यारा, कविता वर्मा, कामिनी वर्मा, मुन्नी अधिकारी, (पूर्व सैनिक) रमेश बोहरा, संस्था स्वयंसेवक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, सपना भण्डारी, प्रियंका एवं आगनबाड़ी कार्यकर्ती व ग्रामीण उपस्थित रहे।

अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2024

विगत वर्षों की भांति 5 जून 2024 को संस्था ने कुलेठी विद्यालय परिसर में पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद देहरादून, कगास संस्था एवं वन विभाग चम्पावत का सहयोग रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सी.एम. जोशी ने। कार्यक्रम के मुख्य अथिति वन विभाग के श्री बी.एम. टम्टा एवं विशिष्ट अतिथि यूकॉस्ट के श्री देवेन्द्र सिंह एवं शिक्षाविद् डॉ. बी.सी. जोशी थे। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में हिमवत्स सचिव डॉ. जी.बी. बिष्ट ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यकारिणी सदस्य डॉ. बी.सी. जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यालय कैम्पस में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में 7 विद्यालयों के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया व पुरस्कार प्राप्त किए। इस मौके पर संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉ. बी.सी. जोशी एवं श्री राजेन्द्र गहतोड़ी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एडीओ निधि जोशी, डॉ. एम.पी. जोशी, श्री जे.एस. अधिकारी, प्रो. प्रेम बिष्ट, डॉ. मनोहर तिवारी, एम.सी. रस्यारा, प्र.अ. श्री रुद्र सिंह बोहरा, प्र.अ. नवीन चन्द्र रस्यारा, हेम पाण्डेय, नन्दू राम, नरेश जोशी, नमिता मुरारी, विरेन्द्र सिह विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा स्वयंसेवक शिक्षक उपस्थित थे।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 35

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2024

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 31-05-2024 को रा.प्रा.वि. कुलेठी में हिमवत्स की ओर से तम्बाकू के खिलाफ़ जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बी.डी. सुतेड़ी ने की और संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री रुद्र सिंह बोहरा ने किया।

इस वर्ष की इस आयोजन की वैश्विक थीम है- "बच्चों को तम्बाकू इंडस्ट्री के हस्तक्षेप से बचाना" है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. बी.डी. सुतेड़ी ने सामाजिक परिवेश में तम्बाकू के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्तमान में तम्बाकू भीषण समस्या बन चुका है। उन्होंने तम्बाकू सेवन से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया गया और सार्वजनिक स्थलों पर नशे तथा धूम्रपान करने पर कानूनी सजा के प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने नशा मुक्ति हेतु सामाजिक चेतना को जागृत करने करने का आह्वान किया। साथ ही चम्पावत जनपद में चल रहे शैक्षिक/सामाजिक/स्वास्थ्य संबंधित क्रियाकलापों की जानकारी दी। इस अवसर पर तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन करते हुए तंबाकू सेवन न करने की सलाह ग्रामीणों व बच्चों को दी गयी।

कार्यक्रम में आई.आई.टी. मद्रास में भौतिकी के प्रोफेसर डॉ. पी.बी. बिष्ट, प्रधानाध्यापक श्रीमती हीरा गिरी, सहायक अध्यापक नवीन रस्यारा, नरेश जोशी, कविता वर्मा, कामिनि वर्मा, मुन्नी अधीकारी के साथ-साथ हिमवत्स के सभी स्वयंसेवक शिक्षक उपस्थित रहे।

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 36

39वां नेत्रदान पखवाड़ा

25 अगस्त से 8 सितम्बर 2024

इस वर्ष दिनांक राजकीय नर्सिंग कॉलेज चम्पावत एवं कुलेठी विद्यालय परिसर में हिमवत्स संस्था के ओर से 39वां नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया। संस्था सचिव (अवकाश प्राप्त नेत्र चिकित्सक, सीएमओ) डॉ. जी.बी. बिष्ट ने नर्सिंग कॉलेज के शिक्षकों, बी.एससी. नर्सिंग तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं एवं कुलेठी के विद्यालयों के बच्चों एवं अभिभावकों की आँखों की जांच, नेत्रदान के प्रचार प्रसार की जानकारी दी गयी तथा दृष्टि दोष युक्त छात्र-छात्राओं को जिला अस्पताल चम्पावत सन्दर्भित किया गया। साथ ही सेवित क्षेत्र के लोगों की आँखों की भी जांच की गयी, जिसमें आँख का मोतियाबिन्द, कॉर्निया खराब हो जाने, दृष्टि में आश्चर्यजनक कमी आने के कारण तथा उसकी कमियों को दूर करने के तरीकों की जानकारी दी गयी।

मृत्यु उपरान्त नेत्रदान की शपथ लेने व परिवार की सहमति होने पर नेत्रबैंक को सूचना दी जाती है। नेत्र बैंक की टीम कार्निया निकालकर नेत्र बैंक में जमा करती है तथा संरक्षित कार्निया को 14 दिन के अन्दर उपयुक्त व्यक्ति को प्रत्यारोपित किया जा सकता हैं। यह सुविधा सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी में भी उपलब्ध है।

छात्रवृत्ति वितरण समारोह 2024

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी राजकीय इण्टर कालेज नारायणनगर (हल्द्वानी) में 25 नवंबर 2024 को छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजित किया गया। हल्द्वानी में कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था सचिव डॉ. जी.बी. बिष्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस श्री अधीक्षक प्रकाश चंद्र के हाथों पुरस्कार वितरण कराए गए। मुख्य अतिथि श्री प्रकाश चंद्र, संस्थाध्यक्ष प्रो. के.के. पाण्डे, सचिव डॉ. जी.बी. बिष्ट ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए दिल लगाकर पढ़ने की प्रेरणा दी।

विगत कई वर्षों से चम्पावत, नैनीताल व पिथौरागढ़ जिले के विभिन्न विद्यालयों में पढ़ रहे निर्धन एवं मेधावी विद्यार्थियों को वर्ष 2005 से संस्था द्वारा छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं। छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति रुचि जगाना है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक को रु. 1000 प्रति छात्र, हाईस्कूल को रु. 1500 प्रतिछात्र तथा इण्टरमिडिएट को रु. 2500 प्रति छात्र छात्रवृत्ति दी जाती है।

यह छात्रवृत्ति प्रो. एच.डी. बिष्ट द्वारा स्वयं तथा उनके कुटुम्बजनों, सम्बन्धियों, संस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखने वाले सहयोगियों, चिकित्सकों के योगदान तथा स्व. आर.सी. पन्त द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्व. प्रो. गिरिबाला पन्त के नाम से जमा धनराशि के ब्याज से दी जा रही है। अभी तक संस्था द्वारा कुल 28 लाख रुपए की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में दी जा चुकी है।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष प्रो. के.के. पाण्डेय, सचिव डॉ. जी.बी.बिष्ट, उपाध्यक्ष सी.एम. जोशी, अपर निदेशक अभियोजन हरिविनोद जोशी, राजेंद्र प्रसाद, पुष्करानंद सुनाल, हेम जोशी, गणेश पंत आदि उपस्थित थे।

विविध गतिविधियाँ

प्रो. प्रेम बी. बिष्ट का व्याख्यान

दिनांक 12 जून 2024 को पाल कालेज आफ टैक्नोलॉजी एवं मैनेजमैंट हल्द्वानी में हिमवत्स संस्था के कार्यकारिणी सदस्य तथा आईआईटी मद्रास में भौतिक विज्ञान के प्रोफ़ेसर डॉ. प्रेम बल्लभ बिष्ट कॉलेज के छात्र-छात्राओं व फैकल्टी को अच्छे व्याख्यान की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने व्याख्यान विधि में तथ्यों, सिद्वान्तों या संबंधों को समझने तरीकों की चर्चा की। प्रो. के व्याख्यान को कॉलेज के निदेशक प्रो. के.के. पाण्डे तथा समस्त फैकल्टी ने अत्यंत लाभकारी बताया।

विद्यालय में फर्नीचर वितरण एवं वृक्षारोपण

संस्था ने राजकीय इण्टर कालेज नारायणनगर हल्द्वानी में 27 जुलाई 2024 को एन.आर.आई. श्री विक्रम तोरनपुरी द्वारा "HOAP HEALTH INTELLIGENT SOLUTIN PR" हैदराबाद के माध्यम से विद्यालय की जूनियर कक्षाओं में 150 छात्र-छात्राओं के बैठने हेतु निःशुल्क फर्निचर का वितरण किया। इसके अलावा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस विद्यालय में हिमवत्स संस्था द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस सहयोग हेतु संस्था का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हिमवत्स के अध्यक्ष प्रो. के.के. पाण्डेय, सचिव डॉ. जी.बी. बिष्ट, कार्यकारिणी सदस्य श्री सी.एम. जोशी, डॉ. संजना तिवारी, और जी.आई.सी. नारायणनगर के प्रधानाचार्य श्री सी.पी. भट्ट उपस्थित थे।

शिक्षक सम्मान समारोह 2024

हिमवत्स संस्था द्वारा कुलेठी विद्यालय परिसर में शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों हेतु प्रथम शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2024 शिक्षक सम्मान हेतु निम्न शिक्षकों का चयन किया गया थाः श्री गिरीश चन्द्र पन्त (ज.पू.मा.वि. मुड़ियानी), श्री नवीन चन्द्र रस्यारा (रा.प्रा.वि. कुलेठी), श्रीमती रेखा जोशी (रा.पू.मा.वि. खर्ककार्की) तथा श्रीमती भावना उपाध्याय (रा.उ.मा.वि. पल्सों)। इस अवसर पर हिमवत्स संस्था में विगत वर्षों से विशिष्ट योगदान दे रहे स्वयंसेवक श्री प्रकाश चन्द्र पुनेठा, श्री पंकज सिंह बोहरा, कु. सपना भण्डारी एवं श्री सुनील जोशी को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के प्रतिनिधि श्री प्रकाश तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.डी. सुतेड़ी रहे एवं संचालन राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया।

विश्व मधुमक्खी दिवस 20 मई 2024

20 मई 2024 को रा.बा.इ.का. चम्पावत में यूकॉस्ट देहरादून के सौजन्य से विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन किया गया। चैतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति हल्द्वानी द्वारा चम्पावत के किसानों एवं युवाओं के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिमवत्स ने सहयोगी संस्था के रूप में प्रतिभाग किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य युवा महोत्सव 2024-25

दिनांक 10 से 14 नवंबर 2024 को हिमवत्स ने उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) देहरादून के सहयोग से परेड ग्राउण्ड देहरादून में आयोजित उत्तराखण्ड राज्य युवा महोत्सव 2024-2025 में प्रतिभाग किया गया। संस्था की इस अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में स्टाल लगाया गया था, जिसका संचालन स्वयंसेवक प्रकाश पुनेठा एवं पंकज बोहरा द्वारा किया गया। हिमवत्स के स्टाल में 20 विज्ञान मॉडलों को प्रदर्शित किया गया। युवा महोत्सव में राज्य के 13 जिलों के 4000 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

निकोला टेस्ला की अनोखी दास्तान

रिचर्ड गुंडरमैन

जरा बताइये तो नीचे लिखे आंकड़े इन वैज्ञानिकों में से किस पर सबसे ज्यादा फिट बैठते हैं- अलबर्ट आइन्स्टाइन, थॉमस एडिसन, गुग्लिएल्मो मार्कोनी, अल्फ्रेड नोबेल और निकोला टेस्लाः

वह आठ भाषाएं बोल लेता था। उसने लंबी दूरी के बीच संचार की बेतार तकनीक खोज निकाली। उसने एसी करेंट से चलने वाली पहली मोटर इजाद की। करीब 300 पेटेंट उसके नाम हैं। ऐसा 'महा हथियार' खोज निकालने का दावा किया जो सारे युद्धों का अंत कर देगा।

ये सारे तथ्य यकीनन टेस्ला के नाम की तस्दीक करते हैं। हैरान हैं न? ज्यादातर लोगों ने उसका नाम भर सुना होगा मगर बहुत थोड़े लोगों को आधुनिक विज्ञान व टेक्नोलॉजी की दुनिया में टेस्ला के मुकाम का अंदाजा होगा।

इस वर्ष 7 जनवरी को टेस्ला की 86वीं पुण्यतिथि थी। यह मौका है कि हम ख़ाक से उठकर दुनिया पर छा जाने वाले इस वैज्ञानिक की ज़िन्दगी पर एक नज़र डालें। वह जीवन भर खोजों को समर्पित रहा और उसे एक शो-मैन जैसी शोहरत नसीब हुई। न जाने कितनी हसीनाएं उस पर मरती थीं लेकिन कोई उसकी जीवन संगिनी न बन सकी। आम ज़िन्दगी को बदल डालने वाले न जाने कितने आविष्कारों से उसके बेशुमार दौलत कमाई लेकिन अंततः कौड़ी-कौड़ी का मोहताज़ होकर इस दुनिया से रुख़सत हुआ।

शुरुआती जीवन

टेस्ला का जन्म 1856 की गर्मियों की एक तूफानी रात को सर्बिया में हुआ था। कहते हैं उसकी पैदाइश के वक्त इस कदर बिजलियां कड़क रही थीं, कि दाई को कहना पड़ा, 'यह बच्चा आगे चलकर तूफ़ान पैदा करेगा।' मगर उसकी मां ने कुछ और भविष्यवाणी की, 'बिलकुल नहीं! देखना एक दिन वह उजाले का दूत बनेगा।'

एक विद्यार्थी के रूप में टेस्ला को गणित में ऐसी महारत हासिल थी कि उसके शिक्षकों को भरोसा नहीं होता और वे उस पर नक़ल करने का दोष मढ़ देते थे। अपनी किशोरावस्था में एक बार टेस्ला गंभीर रूप से बीमार पड़ गया और तभी ठीक हुआ जब उसके पिता ने पादरी बनाने की अपनी इच्छा को तिलांजलि देकर उसे मनमुताबिक़ इंजीनियरिंग पढ़ने की इजाज़त दी।

बेहतरीन छात्र होने के बावजूद टेस्ला ने आधे में ही पॉलीटेक्नीक स्कूल छोड़ दिया और कॉन्टिनेंटल एडिसन कंपनी में नौकरी पकड़ ली। यहां उन्होंने बिजली के प्रकाश और मोटरों पर ध्यान देना शुरू किया। मशहूर आविष्कारक एडिसन से

विज्ञान आलेख

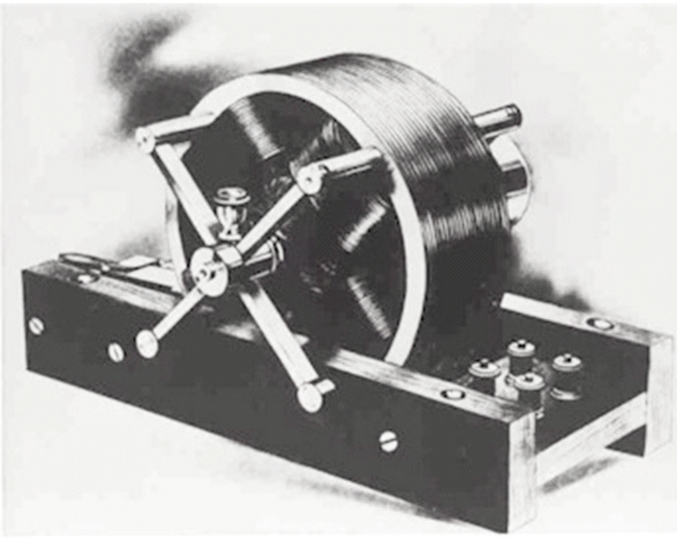

मिलने की चाह में टेस्ला 1884 में अमेरिका चले आये। बाद में टेस्ला ने दावा किया कि एडिसन की कंपनी ने इंजीनियरिंग सम्बंधी कई अड़चनों को सुलझाने के एवज में उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर के ईनाम की पेशकश की थी। उन्होंने सारी अड़चनें दूर कीं लेकिन टेस्ला के मुताबिक़ उन्हें कहा गया कि इनाम की बात तो एक मज़ाक थी। अलबत्ता छः महीने बाद टेस्ला ने कम्पनी छोड़ दी।

इसके बाद टेस्ला ने दो उद्योगपतियों से साझेदारी की और टेस्ला इलेक्ट्रिक लाइट एंड मेन्युफेक्चारिंग कंपनी की स्थापना की। अपने कई पेटेंट उन्होंने कम्पनी के नाम कर दिए। बाद में उनके साझेदारों ने सिर्फ बिजली उत्पादन तक सीमित रहने का फैसला किया और कम्पनी की बौद्धिक संपदा के सारे अधिकार हड़पकर एक दूसरी कम्पनी खड़ी कर ली। टेस्ला दोबारा ठन-ठन गोपाल होकर सड़क पर आ गए।

टेस्ला लिखते हैं कि यह वो दौर था जब पेट भरने के लिए उन्हें 2 डॉलर रोजाना की दिहाड़ी पर गड्ढे खोदने का काम करना पड़ता था। यह बात उन्हें बेहद तकलीफ़ देती थी कि उनके जैसी प्रतिभा इस कदर गड्ढे खोदने में नष्ट हो रही है।

अन्वेषक के रूप में सफलता

1887 में टेस्ला दो अन्य खोजियों से मिले और उन्होंने टेस्ला इलेक्ट्रिक कंपनी को खड़ा करने में मदद के लिए सहमति जताई। टेस्ला ने मैनहट्टन में अपनी प्रयोगशाला स्थापित की और यहीं उन्होंने उस अनमोल उपकरण का आविष्कार किया जिसे आज हम अल्टरनेटिंग करेंट इंडक्शन मोटर (एसी मोटर) के नाम से जानते हैं। एसी मोटर ने उन तमाम दिक्कतों को दूर कर दिया जो अब तक प्रचलित मोटरों में आती थीं। टेस्ला ने इंजीनियरिंग सम्बंधी एक बैठक में अपनी एसी मोटर का प्रदर्शन किया। यहीं जानी-मानी वेस्टिंगहाउस कम्पनी ने उनकी मोटर के लाइसेंस के लिए उनसे एक सौदा किया। इस सौदे के मुताबिक़ उनकी मोटर से पैदा होने वाले प्रत्येक हॉर्सपॉवर पर उन्हें एक निश्चित रॉयल्टी देने की पेशकश की गयी। यह 1880 दशक के अंतिम वर्ष थे और 'वार ऑफ़ करेंट्स' अपने चरम पर था। थॉमस एडिसन डीसी करेंट को प्रचारित करने में जुटे थे। उनकी दलील थी कि डीसी करेंट एसी की तुलना में ज्यादा सुरक्षित है। जॉर्ज वेस्टिंगहाउस ने एसी का समर्थन किया, क्योंकि इससे लंबी दूरी तक विद्युत् ऊर्जा भेजी जा सकती थी। क्योंकि दोनों प्रतिस्पर्धी एक-दूसरे से दाम में होड़ कर रहे थे, वेस्टिंगहाउस के सामने वित्तीय संकट पैदा हो गया। उसने टेस्ला को अपनी दिक्कत बताई और एकमुश्त राशि पर पेटेंट बेचने का आग्रह किया। टेस्ला राजी हो गए, यह जानते हुए भी कि वह एक बेशकीमती खज़ाना औने-पौने दाम में बेच रहे हैं।

1893 में शिकागो में मशहूर विश्व कोलंबियन मेले का आयोजन हो रहा था। वेस्टिंगहाउस ने टेस्ला से आग्रह किया कि वह इसकी विद्युत आपूर्ति में उनकी मदद करें; क्योंकि इस बहाने उन्हें एसी करेंट की खूबियों के प्रदर्शन का मौका मिलेगा। टेस्ला ने मेले में इतने बल्ब जलाए जितने पूरे शिकागो शहर में भी नहीं जलते थे। इसके अलावा उन्होंने कई और अजूबों का भी प्रदर्शन किया, जैसे- बिना तार के विद्युत् प्रवाहित कर बल्ब जलाना। बाद में टेस्ला ने नियाग्रा प्रपात में विद्युत् उत्पादन का ठेका हासिल करने में भी वेस्टिंगहाउस की मदद की। यह दुनिया का पहला बड़ा एसी बिजलीघर था।

रास्ते की चुनौतियां

टेस्ला की राह में चुनौतियां भी कम नहीं आईं। 1895 में उनकी

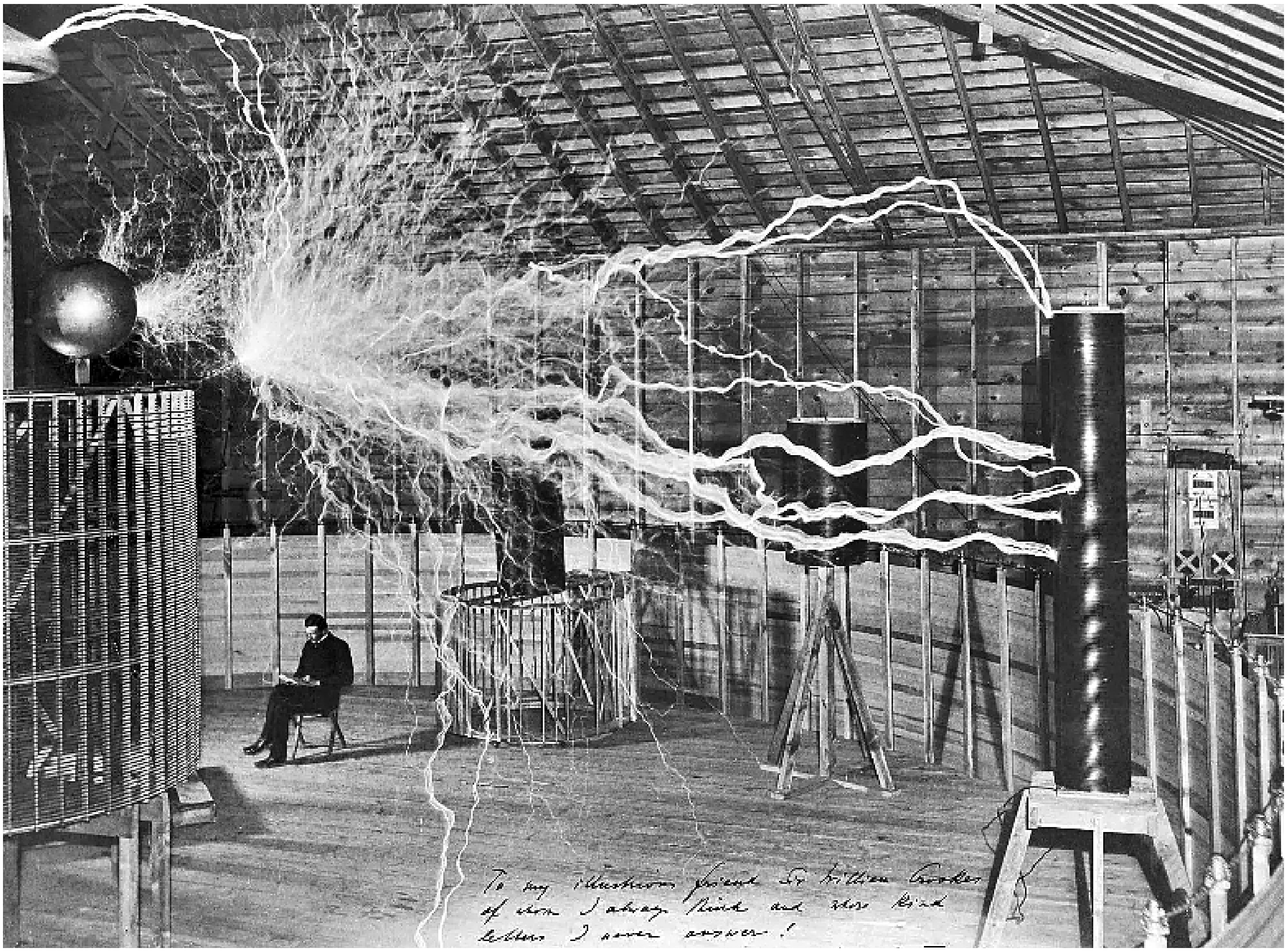

मैनहट्टन प्रयोगशाला अग्निकांड से तबाह हो गयी। उनके सारे नोट्स और नमूने भी आग में भस्मीभूत हो गए। 1898 में उन्होंने मेडिसन स्क्वायर गार्डन में एक नाव के वायरलेस कण्ट्रोल का प्रदर्शन किया। उस ज़माने के हिसाब से यह एक तरह का स्टंट था, जिसे कई लोगों ने तब फर्जी माना। जल्दी ही टेस्ला ने अपना ध्यान वायरलेस विद्युत् स्थानांतरण पर केन्द्रित किया। उन्हें भरोसा था कि उनकी इस तरकीब से न केवल पूरी दुनिया में बिजली भेजी जा सकेगी बल्कि बेतार संचार प्रणाली भी उपलब्ध हो सकेगी।

अपने इस विचार को अंजाम देने के लिए टेस्ला ने कोलोराडो स्प्रिंग्स नाम की एक कंपनी बनाई। यहां एक बार उन्होंने इतनी बिजली खर्च कर डाली कि पूरे इलाके की बत्ती गुल हो गयी। उन्होंने ऐसे संकेतों को ग्रहण करने के भी दावे किये जो उनके मुताबिक़ किसी बाहरी ग्रह से आए थे। 1901 में टेस्ला लॉन्ग आईलेंड नाम की जगह में एक ऐसे टावर की स्थापना के लिए जे.पी। मॉर्गन को पटाने में कामयाब हो गए, जो उनके मुताबिक़ पूरी दुनिया की बिजली आपूर्ति करने में सक्षम होता। मगर टेस्ला अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके और मॉर्गन ने भी जल्दी ही इस योजना से अपने हाथ खींच लिए।

1909 में मार्कोनी को रेडिओ की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1915 में टेस्ला ने मार्कोनी पर उनके पेटेंट चुराने का आरोप लगाते हुए मुकदमा ठोक दिया, जिसमें वह हार गए। इसी वर्ष एडिसन और टेस्ला को नोबेल दिए जाने की भी अफवाह उड़ी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कहा

विज्ञान आलेख

जाता है कि इन दोनों हस्तियों के बीच तीखे मन-मुटाव की वजह से वे नोबेल से वंचित रह गए। बावजूद इसके टेस्ला को ढेरों सम्मान और पुरस्कार मिले, जिसमें दुर्भाग्यवश अमेरिकन इंस्टीटयूट ऑफ़ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स का एडिसन मैडल भी शामिल था।

एकाकी इंसान

टेस्ला एक शानदार व्यक्तित्व के मालिक थे। वह कहा करते थे कि उनकी याददाश्त फोटोग्राफिक है, जिसकी वजह से वह पूरी किताब को देखकर याद कर लेते हैं और आठ भाषाएं बोल सकते हैं। वह यह भी कहा करते थे कि उनके ज्यादातर आइडिया उन्हें अचानक कौंधे और वह अपनी खोजों के विस्तृत डाइग्राम या उनका नमूना बनाने से पहले ही अपने दिमाग में उकेर लेते हैं। यही वजह थी कि उन्होंने अपनी ज्यादातर खोजों के शुरूआती रेखाचित्र या खाके कभी कागज़ पर नहीं उतारे। छः फीट दो इंच लम्बे और ख़ूबसूरत टेस्ला महिलाओं के बीच भी बेहद लोकप्रिय थे, मगर उनकी किस्मत में बीवी नहीं थी। वह कहते थे कि ब्रह्मचर्य ने उनकी रचना-त्मकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शायद किशोरावस्था की खतरनाक बीमारी की वजह से उन्हें जवाहरात से डर लगता था और वे साफ़-सफाई को लेकर सनक की हद तक सजग रहते थे। यहां तक कि उन्हें इनके नज़दीक जाने में भी हिचक होती थी। कई चीज़ों से उन्हें बहुत डर लगता था, जैसे मोतियों आदि से। इस कारण वे जवाहरात पहनने वाली महिलाओं से दूरी बनाकर रखते थे।

टेस्ला का मानना था कि उनके सबसे अच्छे आइडिया उन्हें अकेले में मिले। हालांकि वे स्वभाव से एकांतवासी नहीं थे और अपने समय की अनके मशहूर हस्तियों के साथ उनके दोस्ताना रिश्ते रहे। दोस्तों के लिए वे रात्रि भोज आयोजित करते थे। प्रख्यात साहित्यकार मार्क ट्वेन अक्सर उनकी प्रयोगशाला में आते थे और उनकी खोजों का प्रचार करते थे। टेस्ला केवल अन्वेषक के तौर पर ही मशहूर नहीं थे बल्कि लोग उन्हें दार्शनिक, कवि और विशेषज्ञ भी मानते थे। उनके 75वें जन्मदिन आइन्स्टाइन ने उन्हें बधाई पत्र भेजा और जानी-मानी पत्रिका 'टाइम' ने अपने मुखपृष्ठ पर उनकी तस्वीर छापी।

टेस्ला के अंतिम वर्ष

लोक मानस में टेस्ला की छवि एक पागल वैज्ञानिक की है। उनके कुछेक दावों ने शायद ऐसी छवि बनाने में मदद पहुंचाई हो। वे एक ऐसी मोटर बना लेने का दावा करते थे जो कॉस्मिक किरणों से चलती है या वह एक नई आइन्स्टाइनेत्तर भौतिकी पर काम कर रहे हैं, जो ऊर्जा के एक बिलकुल नए प्रकार को जन्म देगी। इसी तरह एक बार उन्होंने कहा कि उन्होंने विचारों की तस्वीर उतारने वाली तकनीक ईजाद की है या उन्होंने एक ऐसी किरण की खोज की है, जिसे मृत्यु किरण या शान्ति किरण के रूप में अदल-बदलकर इस्तेमाल किया जा सकता है और यह नोबेल के विस्फोटक से भी ज्यादा खतरनाक है।

उनकी जमा-पूंजी कब की खत्म हो चुकी थी। टेस्ला ने अपने आखिरी वर्ष एक जगह से दूसरी जगह भटकते हुए गुज़ारे। आखिरकार वे न्यूयॉर्क के एक होटल में रहने लगे जिसका किराया वेस्टिंगहाउस चुकाया करता था। वे अक्सर नज़दीकी पार्क में अकेले टहलते हुए दिखाई देते थे जहां वे कबूतरों को दाना खिलाते थे। कबूतरों से उन्हें बड़ा लगाव था। 7 जनवरी 1943 को 86 वर्ष की उम्र में होटल की एक परिचारिका ने सुबह-सुबह उन्हें कमरे में मरा हुआ पाया।

टेस्ला का नाम आज भी अक्सर सुनाई देता है। बेलग्रेड हवाईअड्डे का नामकरण उन्हीं पर किया गया है। इसी तरह दुनिया की सबसे मशहूर विद्युत् चालित कार भी। एमआरआई स्कैनर की क्षमता को टेस्ला इकाई में नापा जाता है। सच कहें तो टेस्ला असल जीवन में पौराणिक ग्रीन योद्धा प्रोमथीउस जैसे थे, जिसने मानव जाति के लिए आग के इंतजाम की खातिर स्वर्ग पर धावा बोला था और सज़ा के बतौर उसे एक चट्टान से बाँध दिया गया जहां हर रोज एक चील उसका कलेजा नोचने आती थी।

टेस्ला ने भी धरती पर उजाला लाने के लिए आसमान जितनी ऊचाइयां चढ़ीं, लेकिन अपनी दुर्लभ मनोवृत्ति और असामान्य आदतों के कारण अंततः उनका पराभव हुआ और कौड़ी-कौड़ी के मोहताज होकर एकाकीपन में वह इस दुनिया से विदा हुए।

Smithsonian magazine से साभार

अनुवादः आशुतोष उपाध्याय

Himvant Magazine_2024_Himvats Magazine 10-12-2024 10:26 Page 43

तिवारी स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेंट

बस स्टेशन, चम्पावत

उच्च क्वालिटी की बाल मिठाई, चॉकलेट, बर्फी और बंगाली मिठाइयों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त

तिवारी होटल

प्रो. प्रकाश तिवारी

मो.: 9411038192

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

राजेन्द्र गहतोड़ी

वित्तीय सलाहकार (C.M. Club Member)

चेयरमैन, रेडक्रॉस सोसाइटी, चम्पावत

कार्यालय: निकट कर्नाटक अस्पताल, चम्पावत । निवास: गौरव फर्नीचर परिसर, चम्पावत

Mobile: 94115 46795, Whats App: 98373 93989

खर्कवाल मेडिकल स्टोर तल्लीहाट, चंपावत

सहयोगी प्रतिष्ठान: खर्कवाल फार्मेसी, शांत बाजार चंपावत

हमारे यहां सभी प्रकार की अंग्रेजी एवं आयुर्वेदिक दवाएं उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं ।

प्रोपराइटर: हरीश चंद खर्कवाल Mob- 9456543930

NURTURING FUTURE SHAPING CAREER!

APPLY FOR DIPLOMA, UNDER GRADUATE, POST GRADUATE & PH.D. PROGRAMMES

UNDER GRADUATE PROGRAMMES

FACULTY OF TECHNOLOGY AND COMPUTER APPLICATIONS

- B.TECH COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
- B.TECH CSE (ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING)
- B.TECH CSE (INTERNET OF THINGS & DATA SCIENCE)
- B.TECH MECHANICAL ENGINEERING
- BCA
- BCA (ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING)
- BCA (DATA SCIENCE & CYBER SECURITY)

FACULTY OF COMMERCE & BUSINESS MANAGEMENT

- BBA
- B.COM (H)

FACULTY OF HOSPITALITY & TOURISM MANAGEMENT

- BHMCT
- BHM

FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

- B.PHARM

FACULTY OF EDUCATION

- B.Ed.

FACULTY OF APPLIED SCIENCE

- B.SC - PCM
- B.SC - BIO TECHNOLOGY

POST GRADUATE PROGRAMMES

FACULTY OF TECHNOLOGY & COMPUTER APPLICATIONS

- M.TECH. (ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING)
- MCA
- MCA (DATA SCIENCE)

FACULTY OF COMMERCE & BUSINESS MANAGEMENT

- MBA

FACULTY OF HOSPITALITY & TOURISM MANAGEMENT

- MHMCT

DIPLOMA PROGRAMMES

FACULTY OF HOSPITALITY & TOURISM MANAGEMENT

- DIPLOMA IN HOSPITALITY OPERATION (DHO)

FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

- D.PHARM

Ph.D. PROGRAMMES

Ph.D PROGRAMME OFFERED

OTHER SCHOLARSHIPS

- MERIT BASED
- DEFENCE & PARA MILITARY
- EWS
- FEMALE
- SIBLING
- ALUMNI

THE AMRAPALI DIFFERENCE

- INNOVATIVE CURRICULUM
- INDUSTRY PARTNERSHIPS
- STATE-OF-THE-ART INFRASTRUCTURE
- EXPERIENCED FACULTY
- FOCUS ON RESEARCH
- HOLISTIC DEVELOPMENT
- GLOBAL EXPOSURE
- ENTREPRENEURSHIP SUPPORT
- SOCIAL RESPONSIBILITY
- CONTINUOUS IMPROVEMENT
- ACTIVE LEARNING ENVIRONMENT
- CORPORATE TIE-UPS FOR ADD-ON CERTIFICATIONS
- CLUBS AND SOCIETIES FOR NURTURING HOBBIES
- HEALTH SUPPORT FACILITIES
- SEPARATE BOYS AND GIRLS HOSTELS
- TRANSPORT FACILITIES
- WIFI CAMPUS
- 24X7 WATER AND ELECTRICITY SUPPLY

CORPORATE TIE-UP'S OF AMRAPALI UNIVERSITY

AND MANY MORE...

OUR TOP RECRUITERS

AND MANY MORE...

FOR MORE INFORMATION

Address Shiksha Nagar, Lamachaur, Kaladhungi Road, Haldwani - 263139, Nainital, Uttarakhand.
Call to find out more : (+91)-9759670100 | 9759670200 | 9759670300 |9759670400 |9759670500 | 9837302005 | 9520655000 www.amrapali.ac.in